
सिमर सिमर सुख पाओ

➤➤ सोचना / मनन करना

» _ » सोचना

→ तैरना

» _ » मनन करना

→ डूबना

→ गहराई में जाना

- इतनी गहराई में जाना की मनन करते करते ही आत्मा मगन हो जाए

→ प्रेम के सागर में ऐसे खो जाना

- की वो और हम एक हो जाएँ

- ईश्वरीय प्रेम ही योग है

→ स्मृति में इतनी शक्ति होती है की

- हम जिसका सिमरन करते हैं, उसका स्वरूप बन जाते हैं
-

➤➤ ऐसी 7 बातें जिसका सिमरण करने से मन को सुख मिले ?

» _ » परमात्म प्रेम

→ जब सारा संसार तुम्हे धोखा दे देगा तो ईश्वरीय प्रेम ही तुम्हे थामे रहेगा

» _ » परमात्म प्राप्तियां / खजाने

→ बाबा को शिकायतें सुनाने की बजाये ईश्वर से हुई प्राप्तियों को याद करो

→ पल पल Complaint करने की बजाये Gratitude (आभार) व्यक्त कीजिये

→ धन्यवाद में एक ज़बरदस्त +ve Energy है

» _ » परमात्म मदद

→ उसकी बहुत सी मदद तो ऐसी हैं जिसका हमें एहसास ही नहीं है

» _ » परमात्म छत्रछाया

→ सदैव कंबांड स्वरूप का अनुभव

» _ » परमात्म साथ

→ दिन भर अलग अलग कर्म करते हुए अलग अलग संबंधो से बाबा के साथ का अनुभव

» _ » परमात्म भाग्य / परमात्म वरदान

→ स्मृति स्वरूप रह परमात्मा वरदानो के अधिकारी बनना

» _ » परमात्म ज्ञान

→ मुरलीधर से प्यार अर्थात मुरली से प्यार

→ परमात्म ज्ञान ही हमें परमात्मा के और नज़दीक लेकर जाता है

➤ ➤ ऐसी कौन सी बातों का हमें सिमरन नहीं करना है ?

» _ » धोखा

» _ » दुःख की घटना

» _ » दोषारोपण

» _ » अविश्वास

» _ » अपमान

➤ ➤ आध्यात्मिक रूप से परिपक्व कैसे बनें ?

» _ » कर्मों के हिसाब किताब को स्मृति में रखें

» _ » जीवन में साक्षी भाव अपनाएं

→ Be A Detatched Observer

» _ » दुःख लेने का संस्कार न बनाएं

» _ » अपने चिंतन पर विशेष अटेंशन बढ़ायें

» _ » परमधाम में पुरानी स्मृतियों को भस्म करें
